HCV-16070201010300 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

October / November – 2017

FND-2 : Hindi

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ कहानी के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'आकाशदीप' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । १५

२ निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए : १५

(अ) निम्नांकित कहावतों का अर्थ दीजिए :

(१) इधर कुआँ उधर खाई

(२) आम के आम गुटली के दाम

(३) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता

(४) हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और

(५) धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का

(६) घर की मुर्गी दाल बराबर

(७) जैसी करनी वैसी भरनी

(ब) टिप्पणी लिखिए :

कफन कहानी का उद्देश्य ।

अथवा

लहनासिंह का चरित्र ।

३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''बूढे आदमी है, अमर भुनभुनाया, चुपचाप पड़े रहे । हर चीज में दखल क्यों देते हैं ?''

(२) ''कारों में जाती हुई औरतें मुस्कुराते हुए एक–दूसरे से विदा ले रही है और बाई–बाई की कुछ–एक आवाजें आ रही है ।''

(३) ''प्रिय नाविक ! तुम स्वदेश लौट जाओ, विभवों का सुख भोगने के लिए, और मुझे छोड़ दो इन निरीह भोले भाले प्राणियों के दुःख की सहानुभूति और सेवा के लिए ।''

(४) ''तो थोड़े गुड़ का ठण्डा रस बनाओ, पीऊँगा । तुम्हारी कसम भी रह जायेगी, जायका भी बदल जायेगा ।''

(५) ''और नीति अनीति, हिंसा–अहिंसा को देखने का यह समय नहीं है । मीठी बातों का परिणाम बहुत देखा । मीठी बातों से बाघ के मुँह से अपना सिर नहीं निकाला जा सकता । उस वक्त बाघ को मारना ही एक इलाज है ।''

४ गजाधर बाबू का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

अथवा

४ गुलेरीजी का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'उसने कहा था' कहानी के कथानक की चर्चा कीजिए । १५

५ सूचनानुसार उत्तर दीजिए : १०

निम्नांकित पंक्ति का अर्थविस्तार कीजिए :

''रहिमन देखी बड़न को लघु न दीजिए डारि,
जहाँ काम आये सुई क्या करे तलवारि ।''

अथवा

निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए :

बापू का स्पष्ट मन था कि स्वर्ग का राज्य बच्चों के लिए है । बच्चों के सिवा उसमें कोई प्रवेश नहीं कर पाता, क्योंकि बच्चे निर्दोष हुआ करते हैं । उनके जैसा छल–रहित, निष्पाप और भोला–भाला इस संसार में दूसरा कोई नहीं । अगर किसी बच्चे में अवगुण है, कोई बुराई है, तो वह उसका दोषी नहीं है । उसके आसपास रहने वाले व्यक्तियों का दोष है । बच्चा जो कुछ सीखता है, अपने आसपास के वातावरण से ही सीखता है । बच्चों को पीटना बापु की दृष्टि में एक महापाप है । कारण कोई भी हो, कैसा भी अपराध हो गया हो, भय दिखाकर या मारपीटकर बच्चे के साथ दुर्व्यवहार करना कभी उचित नहीं । बच्चों की गलतियों को प्रेम–स्नेह से समझा देना चाहिए । ऐसा कर देने से सुधार हो सकेगा ।